वैश्विक हिंदी पत्रिका

(वैश्विक हिंदी परिवार का मासिक)

वर्ष 1-अंक 4 अप्रैल 2024

इस अंक में

- मुख्य गतिविधियाँ - पृष्ठ 1
- संपादकीय - पृष्ठ 2
- आलेख - पृष्ठ 2
- वैश्विक हिंदी परिवार कार्यक्रम: पृष्ठ 3
- वातायन कार्यक्रम : पृष्ठ 4
- विश्व परिक्रमा- पृष्ठ : 5 एवं 6
- पुस्तक समीक्षा-कविता :पृष्ठ 7
- साक्षात्कार - पृष्ठ 8

आगामी अंक में

- प्रवासी कहानी संग्रह : परिचर्चा (05.05.2024)
- व्यावसायिक शिक्षा में हिंदी (12.05.2024)

विश्व का सबसे बड़ा साहित्योत्सव

साहित्य अकादमी ने 11 से 16 मार्च तक अपनी स्थापना के सत्तर वर्ष पूरे होने के अवसर को साहित्योत्सव के रूप में मनाया। नई दिल्ली स्थित कमानी ऑडिटोरियम में आयोजित भव्य समारोह में भारतीय भाषाओं के 24 लेखकों को साहित्य अकादमी पुरस्कार 2023 प्रदान किए गए। कार्यक्रम में भाषा, साहित्य, संस्कृति, तकनीक, ऊर्जा, आधुनिक परिदृश्य, प्रेमकथाएँ, प्रवृत्तियाँ, विधाएँ आदि से संबंध रखने वाले विषयों पर मूर्धन्य विद्वानों-रचनाकारों द्वारा व्यापक विचार-विमर्श किया गया। विभिन्न भाषाओं में कविता पाठ, कहानी पाठ जैसे नियमित कार्यों के साथ साथ इस साहित्योत्सव में स्त्री सशक्तीकरण, जनजातीय कलाएँ व लेखन, एलजीबीटी जैसे नए नए विमर्शों के क्षेत्रों में उभर रही रचनात्मकता और चिंतन को भी प्रकाश में लाने की कोशिश की गई। रचना-पाठ, परिसंवाद, चिंतन सत्रों आदि के साथ साथ इस साहित्योत्सव में गायन, नृत्य, रंगमंच आदि रूपंकर कलाओं की भी प्रस्तुतियाँ हुईं। महत्तर सदस्यों का अभिनंदन, पुरस्कार विजेताओं के साथ बातचीत के अलावा इस कार्यक्रम में कम्बोडिया के श्री पूर्णेश हुन को आनंद कुमारस्वामी फेलोशिप प्रदान करना भी एक महत्वपूर्ण आकर्षण रहा। कलाओं से जुड़ाव रखनेवाली महत्वपूर्ण राजनीतिक हस्तियाँ, यथा, छत्तीसगढ़ और केरल के राज्यपाल, ने भी इस उत्सव में भागीदारी की। सुप्रसिद्ध फिल्म गीतकार एवं उर्दू अदब में स्थान रखनेवाले गुलज़ार लोगों के आकर्षण के केन्द्र रहे। वे साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष एवं उर्दू साहित्य के सुप्रसिद्ध लेखक गोपीचंद नारंग के जीवन एवं कृतित्व पर परिसंवाद में भाग लेने आए थे।

छह दिवसीय इस समारोह को दुनिया का सबसे बड़ा साहित्योत्सव मानते हुए दुबई की आइडेंटीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम ने विश्व कीर्तिमान का प्रमाण-पत्र साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक, उपाध्यक्ष कुमुद शर्मा और सचिव के. श्रीनिवासराव को सौंपा। प्रमाण-पत्र में छह दिन वाले दुनिया के इस सबसे बड़े साहित्योत्सव में 190 सत्रों में 1100 से अधिक लेखकों के भाग लेने और इसमें 175 से अधिक भाषाओं का प्रतिनिधित्व होने को प्रमाणित किया गया।